लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या: 286

जिसका उत्तर बुधवार, 27 नवंबर, 2024 को दिया जाएगा

आवश्यक वस्तुओं हेतु पूर्वानुमानित मूल्य पूर्वानुमान मॉडल

286. श्री धर्मबीर सिंह:

क्या उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) अपनी नीति-निर्माण प्रक्रियाओं में, विशेषकर मुद्रास्फीति को नियंत्रित करने, मूल्यों को स्थिर करने और मूल्य निगरानी तंत्र को सुदृढ़ बनाने के लिए आवश्यक वस्तुओं हेतु पूर्वानुमानित मूल्य पूर्वानुमान मॉडल का उपयोग करने के संबंध में मंत्रालय की योजना का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या इस मॉडल में विशेषकर हरियाणा जैसे राज्यों में वास्तविक समय पर आंकड़ों के संग्रहण और विश्लेषण की कार्यनीतियां शामिल हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ग) आवश्यक वस्तुओं की कीमतों में उतार-चढ़ाव से निपटने में इस पूर्वानुमान मॉडल की क्या भूमिका है और विशेषकर हरियाणा में हाल ही के उन मामलों का ब्यौरा क्या है, जहां इसे प्रभावी ढंग से लागू किया गया है;

(घ) इस मॉडल की सटीकता और स्थानीय प्रभाव में सुधार लाने के लिए हरियाणा सरकार, निजी क्षेत्र अथवा अनुसंधान संस्थान के साथ सहयोग का ब्यौरा क्या है; और

(ङ) मूल्य वृद्धि को कम करने और किफायती आवश्यक वस्तुओं तक पहुंच सुनिश्चित करने के संदर्भ में हरियाणा में उपभोक्ताओं, विशेषकर कम आय वाले परिवारों के लिए इस मॉडल के प्रत्याशित लाभ क्या हैं?

उत्तर

उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण राज्य मंत्री
(श्री बी. एल. वर्मा)

(क) से (ङ) उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय का उपभोक्ता मामले विभाग, देश भर में राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा स्थापित 555 मूल्य रिपोर्टिंग केंद्रों द्वारा रिपोर्ट की गई चयनित खाद्य वस्तुओं की दैनिक उपभोक्ता खुदरा और थोक कीमतों की निगरानी करता है, जिसमें हरियाणा सरकार द्वारा स्थापित 4 मूल्य रिपोर्टिंग केंद्र भी शामिल हैं। कीमतों और सांकेतिक मूल्य प्रवृत्तियों की दैनिक रिपोर्ट का विधिवत विश्लेषण किया जाता है ताकि बफर से स्टॉक जारी करने, आयात शुल्क को युक्तिसंगत बनाने, आयात कोटा में परिवर्तन, वस्तु के निर्यात पर प्रतिबंध आदि जैसे व्यापार नीतिगत साधनों में परिवर्तन पर उचित निर्णय लिए जा सकें।

दालों जैसी खाद्य वस्तुओं के मूल्य परिदृश्य और प्रवृत्तियों का विश्लेषण मूल्य व्यवहार को प्रभावित करने वाले कारकों जैसे आपूर्ति की स्थिति, मौसम के अनुसार मूल्य में उतार-चढ़ाव, अनुमानित उत्पादन, बाजार आसूचना इनपुट आदि को ध्यान में रखते हुए किया जा रहा है। बेंचमार्क मंडियों और आयात कीमतों में मूल्य प्रवृत्तियों के आधार पर प्रमुख उपभोग केंद्रों में दालों की खुदरा कीमतों की भविष्यवाणी करने के लिए मूल्य पूर्वानुमान मॉडल उपभोक्ता मामले विभाग द्वारा अपनाए गए विश्लेषणात्मक उपकरणों में से एक है। इसके अलावा, विभाग ने बाजार आसूचना एजेंसी, कृषि और किसान कल्याण विभाग, भारतीय मौसम विभाग, राष्ट्रीय सहकारी उपभोक्ता संघ (एनसीसीएफ) और राष्ट्रीय कृषि सहकारी विपणन संघ (नेफेड) के प्रतिभागियों के साथ नियमित साप्ताहिक संवाद के माध्यम से बाजार के दृष्टिकोण, उत्पादन परिदृश्य, मौसम की स्थिति आदि पर इनपुट प्राप्त करने के लिए तंत्र शुरू किया है।

मूल्य रिपोर्टिंग केंद्रों द्वारा रिपोर्ट किए गए दैनिक मूल्य डेटा सरकार द्वारा बनाए गए दालों और प्याज के बफर स्टॉक के साथ बाजार हस्तक्षेप को लक्षित करने के लिए एक महत्वपूर्ण इनपुट है। बफर से प्याज की खुदरा बिक्री हरियाणा के गुड़गांव जैसे शहरों/केंद्रों पर लक्षित है, जहां प्रचलित खुदरा मूल्य अखिल भारतीय औसत से ऊपर हैं। भारत दाल की खुदरा बिक्री प्रमुख उपभोग केंद्रों की ओर लक्षित है, जहां मूल्य दाल की रियायती मूल्यों से ऊपर हैं। दैनिक कीमतों के आंकड़ों ने मूल्य अस्थिरता को स्थिर करने और इन आवश्यक खाद्य वस्तुओं को उपभोक्ताओं को सस्ती कीमतों पर उपलब्ध कराने के लिए बाजार हस्तक्षेपों को बेहतर ढंग से लक्षित करने में मदद की है।

****